MASA-01

December - Examination 2019

M.A. (Previous) Sanskrit Examination

वैदिक साहित्य एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान

Paper - MASA-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

Note: The question paper is divided into three sections A, B and C. Write answers as per the given instructions.

निर्देश : यह प्रश्न पत्र 'अ', 'ब' और 'स' तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Section - A $8 \times 2 = 16$

(Very Short Answer Type Questions)

Note: Answer **all** questions. As per the nature of the question delimit your answer in one word, one sentence or maximum up to 30 words. Each question carries 2 marks.

खण्ड – 'अ'

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को प्रश्नानुसार एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) (i) ऋक् किसे कहते हैं? नाम लिखिए।

(ii) शांखायन आरण्यक किस वेद की किस शाखा से सम्बद्ध है?

(iii) यास्क के अनुसार देवता किसे कहते हैं?

(iv) विष्णु किस स्थान के देवता हैं?

(v) पुरुष सूक्त के अनुसार पुरुष के किस अंग से अन्तरिक्ष की उत्पत्ति मानी गई है?

(vi) निरुक्त के अनुसार षड्भाव विकारों के नाम लिखिए।

(vii) अक्ष सूक्त के ऋषि कौन हैं?

(viii) सामवेदीय उपनिषदों के नाम लिखिए।

Section - B $4 \times 8 = 32$

(Short Answer Questions)

Note: Answer **any four** questions. Each answer should not exceed 200 words. Each question carries 8 marks.

(खण्ड – ब)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 200 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्न में से किसी एक मन्त्र का पदपाठ एवं अन्वय सहित हिन्दी अनुवाद में कीजिए।

अ) अग्निनाग्निः समिध्यत कवि गृहपतिर्युवा ।
हव्यावाड् जुहवास्यः ।।

अथवा

ब) यः पृथिवीं व्यथमानामां दृंहद्,
यः पर्वतान्प्रकुपितां अरम्णात् ।
यो अन्तरिक्ष विममे वरीयो,
यो द्यामस्तभ्नात् जनासः इन्द्रः

3) निम्न में से किसी एक मन्त्र की सान्वय व्याख्या संस्कृतभाषा में कीजिए–

अ) किमाग आस वरुण ज्येष्ठं यत्स्तोतारं जिघांससि सखायम् ।
प्र तन्मे वोचो दूळभ स्वधावोऽव त्वानेना नमसा तुर इयाम् ।।

अथवा

ब) अहं रूद्रेभिर्वसुभिश्चराम्यहमादित्यैरुत विश्वदेवैः ।
अहं मित्रावरुणोभाबिभम्र्यहमिन्द्राग्नी अहमश्विनोभा ।।

4) साम किसे कहते हैं? सामवेदीय ब्राह्मणों का नामोल्लेख कीजिए।

5) वेदांग किसे कहा जाता है? षड्वेदांगों को संक्षेप में समझाइये।

6) वैदिक दार्शनिक सूक्तों के प्रकाश में अस्यवामीय सूक्त को परिभाषित कीजिए।

7) निरुक्त के अनुसार ''निघण्टु'' पद का निर्वचन कीजिए।

8) यास्क के अनुसार शब्द नित्यत्व को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।

9) खरोष्ठी लिपि पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए।

Section - C $2 \times 16 = 32$

(Long Answer Questions)

Note: Answer **any two** questions. You have to delimit your each answer maximum up to 500 words. Each question carries 16 marks.

(खण्ड – स)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश :किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। आप अपने उत्तर को अधिकतम 500 शब्दों में परिसीमित कीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) वैदिक सृष्टि में अग्नि के महत्व का वर्णन कीजिए।

11) निरुक्त किसे कहते हैं? निरुक्त के उद्देश्यों का वर्णन कीजिए।

12) निरुक्त के अनुसार निपात किसे कहते हैं? निपात के भेदों पर चर्चा कीजिए।

13) भाषा विज्ञान के विविध अंगों का वर्णन कीजिए।